सीएसआईआर-सीरी, पिलानी, बिट्स पिलानी तथा आईआईआईटी इलाहाबाद द्वारा सीएसआईआर-सीरी व बिट्स पिलानी में प्रबुद्ध मानव कंप्यूटर अंत:क्रिया पर 8वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएचसीआई 2016) का आयोजन

8th International Conference on Intelligent Human Computer Interaction (IHCI 2016) at CSIR-CEERI and BITS Pilani jointly organized by CSIR-CEERI, BITS Pilani and IIIT Allahabad

सीएसआईआर-सीरी व बिट्स पिलानी में 12-13 दिसंबर 2016 को प्रबुद्ध मानव-कंप्यूटर अंत:क्रिया (Intelligent Human Computer Interaction) विषय पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएचसीआई 2016) का आयोजन किया गया। सीएसआईआर-सीरी, बिट्स पिलानी तथा आईआईआईटी इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए सम्मेलन का उद्घाटन 12 दिसंबर 2016 को बिट्स पिलानी के लेक्चर थियेटर में प्रात: 9.15 बजे हुआ। इस अवसर पर ***प्रो. मानस मंडल, पूर्व महानिदेशक(जीव विज्ञान), डीआरडीओ मुख्य अतिथि*** थे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के अतिरिक्त सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो.शांतनु चौधुरी, बिट्स पिलानी के कुलपति प्रो. सौविक भट्टाचार्य, आईआईटी खड़गपुर के प्रो. अनुपम बासू, यूनिवर्सिटी ऑफ स्टटगार्ट, जर्मनी के विज़ुअलाइजेशन रिसर्च सेन्टर के विभागाध्यक्ष प्रो. थॉमस अर्ट्ल, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न फ्लोरिडा, यूएसए के प्रो. सुदीप सरकार, सम्मेलन के प्रतिभागी, सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक,बिट्स पिलानी के शिक्षक एवं छात्रों सहित मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए
मुख्य अतिथि प्रो.मानस मंडल, पूर्व महानिदेशक(जीव विज्ञान), डीआरडीओ

सम्मेलन का शुभारंभ परंपरागत रूप से मुख्य अतिथि प्रो. मंडल तथा प्रो. शांतनु चौधुरी, प्रो. सौविक भट्टाचार्य, प्रो. अनुपम बासू, एवं डॉ यशवर्धन शर्मा द्वारा ***दीप प्रज्वलन*** तथा बिट्स पिलानी की छात्राओं द्वारा ***सरस्वती वंदना***- "या कुंदेन्दु तुषार हार धवला, या श्वेत पद्मासना...." के साथ हुआ। इसके बाद सभी मंचस्थ अतिथियों को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथीय उद्बोधन देते हुए प्रो. मानस मंडल

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ***प्रो. मानस मंडल*** ने अपने मुख्य अतिथीय उद्बोधन में कहा कि आज का युग अंतरविधात्मक शोध गतिविधियों का युग है जिसमें हमें बदलते समय के अनुसार अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाना ही होगा अन्यथा हम विश्व के अन्य देशों से पिछड़ जाएँगे। उन्होंने कहा कि सामान्यतया प्रत्येक सम्मेलन या सेमिनार का एक उद्देश्य होता है जैसे केवल ज्ञान को साझा करना, विषय पर जागरूकता बढ़ाना, समस्याओं के समाधान पर चर्चा आदि। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों व शोधार्थियों का आह्वान करते हुए इस पर प्रकाश डाला कि किसी भी सम्मेलन में जाने से पूर्व हमें किन-किन बातों पर विचार करना चाहिए। प्रो. शांतनु चौधुरी के अंतरविधात्मकता (Interdisciplinarity) के विचारों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि आज अनेक नए प्रकार के विज्ञान सामने आ रहे हैं इसलिए आज न केवल अंतर विधात्मक शोध अपितु सांस्थानिक संगतता (Institutional compatibility) भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह किसी परियोजना पर कार्य करने, ज्ञान अर्जित करने, नया उत्पाद-प्रोटोटाइप आदि बनाने में उपयोगी सिद्ध होता है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में लेक्चर थिएटर में उपस्थित प्रतिभागी एवं अन्य गणमान्य अतिथि

स्वागत उद्बोधन एवं सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए
प्रो. अनुपम बासू, आईआईटी खड़गपुर

इससे पूर्व अपने स्वागत उद्बोधन में आईआईटी खड़गपुर के ***प्रो. अनुपम बासू*** ने मुख्य अतिथि डॉ मानस मंडल सहित सभी आमंत्रित अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह इंटेलिजेन्ट ह्यूमन कंप्यूटर इंटरएक्शन पर 8वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है जिसकी शुरुआत वर्ष 2008 में आईआईआईटी इलाहाबाद में हुई। उसके बाद यह सम्मेलन देश-विदेश की यात्रा करते हुए इस वर्ष पिलानी में आयोजित किया जारहा है। उन्होंने इस सम्मेलन के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष हमें कुल 119 शोध पत्र प्राप्त हुए जिन पर गहन विचार-विमर्श एवं मंथन के उपरांत विशेषज्ञ समिति ने सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए कुल 29 शोध पत्रों का चयन किया है। इनमें से 25 भारत से और 4 विदेशों से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने सम्मेलन के आयोजन में टीसीएस की डॉ लिपिका डे द्वारा दिए गए सहयोग हेतु उनका आभार व्यक्त किया तथा आशा व्यक्त की कि आने वाले दो दिनों में प्रतिभागी व छात्र आमंत्रित विद्वानों व शोधार्थियों के उत्कृष्ट व्याख्यानों तथा प्रतिभागियों के शोध पत्रों से लाभान्वित होंगे।

उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. शांतनु चौधुरी,
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

उद्घाटन सत्र में ***प्रो. शांतनु चौधुरी***, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कहा कि यह सम्मेलन ऐसे नए व उभरते हुए विषय पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें निरंतर विकास हो रहा है और यह अत्याधुनिक होते हुए अंतरविधात्मक (Interdisciplinary) भी है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में कोर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांतों के साथ कंप्यूटर विज्ञान, मनोविज्ञान, न्यूरो बायोलॉजी से भी जुड़ा है। इसलिए यह सम्मेलन किसी एक विषय या क्षेत्र से संबंधित न होकर बहुविधात्मक (multidisciplinary) है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि यही इस सम्मेलन की मुख्य विशेषता है क्योंकि सामान्यतया इस प्रकार के सम्मेलन किसी एक ही विधा या डिसीप्लिन से संबंधित होते हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रतिभागियों का यह दो-दिवसीय पिलानी प्रवास सुखद होगा।

बिट्स पिलानी के बारे में बताते हुए
प्रो. सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स पिलानी

प्रो. सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स पिलानी ने इस अवसर पर बिट्स की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अपने अथक प्रयासों व कठिन परिश्रम से आज बिट्स पिलानी देश के शीर्ष 10 तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। उन्होंने बताया कि अन्य संस्थानों से अलग बीआईटीएस (बिट्स) देश के उद्योगों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अपनी शैक्षणिक गतिविधियों व पाठ्यक्रमों में अपेक्षित संशोधन व परिवर्तन करता रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन बिट्स पिलानी, सीएसआईआर-सीरी तथा आईआईआईटी इलाहाबाद सहित इस क्षेत्र में शोधरत व कार्यरत अन्य संस्थानों के बीच परस्पर संबंधों की नई शुरुआत है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता की कामना की।

स्मृति चिह्न भेंट

सत्र के उपरांत प्रो. सौविक भट्टाचार्य ने डॉ मानस मंडल को, बिट्स पिलानी के निदेशक डॉ ए के सरकार ने प्रो. अनुपम बासू को, सम्मेलन के संयोजक डॉ ए एस मंडल ने प्रो सौविक भट्टाचार्य को तथा सम्मेलन के सह-संयोजक डॉ यशवर्धन शर्मा ने प्रो. शांतनु चौधुरी को ***स्मृति चिह्न*** भेंटकर सम्मानित किया।

उद्घाटन सत्र के उपरांत धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ यशवर्धन शर्मा, बिट्स पिलानी

उद्घाटन सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सम्मेलन के सह-संयोजक ***डॉ यशवर्धन शर्मा*** ने सभी मुख्य अतिथि डॉ मानस मंडल सहित सभी आमंत्रित अतिथियों व प्रतिभागियों, सम्मेलन के आयोजकों व प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र का संचालन करती हुईं डॉ लविका गोयल, सहायक प्रोफेसर, बिट्स पिलानी

सम्मेलन में ***उद्घाटन सत्र का संचालन*** करते हुए बिट्स पिलानी की ***डॉ लविका गोयल***, सहायक प्रोफेसर ने लेक्चर हॉल में उपस्थित श्रोताओं को सभी मंचस्थ महानुभावों का औपचारिक परिचय दिया।

दिनांक - 12 दिसंबर 2016

तकनीकी सत्र

उद्घाटन सत्र के उपरांत 12 व 13 दिसंबर 2016 को बिट्स पिलानी व सीएसआईआर-सीरी में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागी वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा व्याख्यान दिए गए। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों द्वारा प्लेनरी वार्ताएँ भी प्रस्तुत की गईं। विवरण निम्नवत है -

प्लेनरी वार्ता - I

उद्घाटन सत्र के उपरांत 12 दिसंबर 2016 को आयोजित प्लेनरी वार्ता में यूनिवर्सिटी ऑफ स्टटगार्ट, जर्मनी के विज़ुअलाइजेशन रिसर्च सेन्टर के विभागाध्यक्ष ***प्रो. थॉमस अर्ट्ल*** द्वारा ***'इन्टरएक्टिव विज़ुअलाईजेशन'*** विषय पर वार्ता/व्याख्यान दिया। प्लेनरी सत्र की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक ***प्रो. शांतनु चौधुरी*** ने की।

प्लेनरी वार्ता देते हुए प्रो. थामस अर्ट्ल, विभागाध्यक्ष,
विज़ुअलाइज़ेशन रिसर्च सेन्टर, युनिवर्सिटी ऑफ स्टटगार्ट, जर्मनी

तकनीकी सत्र 1 (इन्टेलिजेन्ट इन्टरफेसेज़)

सत्राध्यक्ष – प्रो. सुखेन्दु दास, आईआईटी मद्रास, चेन्नई

इस सत्र में निम्नलिखित शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएँगे –

1. ***टुवर्ड्स लर्निंग टु हैंडल डीविएशन्स यूजिंग यूज़र प्रेफरेन्सेज़ इन ए ह्यूमन रोबोट कॉलैबोरेशन सिनेरियो***
   - शरतचंद्र अक्कलादेवी
2. ***पोज़िशन बेस्ड विज़ुअल कन्ट्रोल ऑफ द हॉवरिंग क्वाड्कॉप्टर***
   - राधेश्याम शर्मा
3. ***एसजी-पास : ए सेफ ग्राफिकल पासवर्ड स्कीम टु रेज़िस्ट शोल्डर सर्फिंग एंड स्पाइवेयर अटैक***
   - सूर्यकांत पांडा
4. ***ओ-प्रो : एन ऑन्टोलॉजी फॉर ऑब्जेक्ट अफ़ोर्डेन्स रीज़निंग***
   - रूपम भट्टाचार्य
5. ***इमोशन रेकग्निशन फ्रॉम फ़ेशियल एक्सप्रेशन्स ऑफ 4-डी विडिओज़ यूजिंग कर्व्ज़ एंड सर्फ़ेस नॉर्मल्स***
   - प्रत्यूश साने

प्लेनरी वार्ता - II

शीर्षक – कॉग्निटिव साइंसेज़ – टुमॉरोज़ पर्सपेक्टिव

वक्ता – डॉ मानस मंडल, पूर्व महानिदेशक, जीवविज्ञान, डीआरडीओ

सत्राध्यक्ष – प्रो. पी सी पाण्डेय, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई

विशेष तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रस्तुतीकरण देती हुईं
डॉ लिपिका डे, टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज़

विशेष तकनीकी सत्र
(इवॉल्विंग लैंडस्केप ऑफ़ इन्टेलिजेन्ट इन्टरफ़ेसेज़)

सत्राध्यक्ष – डॉ लिपिका डे, टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज़

इस सत्र में देश के सुप्रसिद्ध औद्योगिक प्रतिष्ठानों व शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों द्वारा इवॉल्विंग लैंडस्केप ऑफ़ इन्टेलिजेन्ट इन्टरफ़ेसेज़ विषय पर अपने विचार व्यक्त किए गए। सत्र में आईआईटी बॉम्बे के प्रो. अनिरुद्ध जोशी, आईबीएम रिसर्च के डॉ अमित नानावटी, आईआईटी खड़गपुर के प्रो.अनुपम बासू, आईआईटी दिल्ली के डॉ तपन गाँधी, टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन के डॉ. अर्पण पाल तथा गपशप डॉट कॉम के श्री सोहन महेश्वर ने प्रतिभागिता की।

सीएसआईआर-सीरी में आयोजित विशेष तकनीकी सत्र में व्याख्यान देते हुए प्रतिभागी। बाएँ से दाएँ - प्रो. अनिरुद्ध जोशी, डॉ अमित नानावटी, प्रो.अनुपम बासू, डॉ तपन गाँधी, डॉ. अर्पण पाल तथा श्री सोहन महेश्वर

सांस्कृतिक संध्या

साथ ही इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी के सभागार में प्रतिभागियों के मनोरंजन के लिए 12 दिसंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जयपुर के प्रतिष्ठित अलंकार म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा राजस्थान के लोकगीतों व लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सभी प्रतिभागियों ने इन प्रस्तुतियों का आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों की सराहना की। सांस्कृतिक संध्या का संचालन ***श्री पंकज गोस्वामी***, अनुभाग अधिकारी, सीएसआईआर-सीरी ने किया।

सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देते हुए अलंकार म्यूज़िकल ग्रुप, जयपुर के कलाकार तथा सांस्कृतिक संध्या का संचालन करते हुए श्री पंकज गोस्वामी, अनुभाग अधिकारी

13 दिसंबर 2016

दिनांक 13 दिसंबर 2016 को आयोजित तकनीकी सत्र बिट्स पिलानी में आयोजित किए गए। तकनीकी सत्र की शुरुआत ***युनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न फ्लोरिडा, यूएसए*** के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेन्ट फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन, ***प्रो.सुदीप सरकार*** द्वारा '***विडियो ईवेन्ट अंडरस्टैंडिंग विद पैटर्न थियरी***' विषय पर प्रस्तुत प्लेनरी वार्ता से हुई। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. अनुपम बासू, आईआईटी खड़गपुर ने की।

तकनीकी सत्र 2

विषय - (एचसीआई ऐप्लिकेशन्स एंड टेक्नोलॉजी)

सत्राध्यक्ष – प्रो. चंद्रशेखर, इमेरिटस प्रोफेसर, बिट्स पिलानी

इस सत्र में निम्नलिखित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए –

1. ***ग्राफ़ बेस्ड क्लस्टरिंग फॉर एपिक्टोरियल जिग्सॉ पज़ल्स ऑफ़ हैंड श्रेडेड कन्टेन्ट-लेस पेजेज़***

   - लतिका के. एस.

2. ***2-डी जेस्चर फॉर न्यूमेरिक देवनागरी साइन लैंग्वेज एनालाइज़र बेस्ड ऑन टू कैमराज़***

   - जयश्री पनसारे

3. ***स्टडी ऑफ इंजीनियर्ड फ़ीचर्स एंड लर्निंग फ़ीचर्स इन मशीन लर्निंग – ए केस स्टडी इन डॉक्युमेन्ट क्लासिफ़िकेशन***

   - अर्पण सेन

4. ***इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ ए डिजिटल हियरिंग एड विद यूज़र-सेट्टेबल फ्रीक्वेन्सी रेस्पोन्स एंड स्लाइडिंग-बैंड डायनेमिक रेन्ज कंप्रेशन एज़ ए स्मार्टफोन ऐप***

   - प्रेम सी. पांडेय

5. ***हैंड्स अप ! टु असेस युअर सस्टेन्ड फ़िटनेस***

   - अंकिता सिंह

6. ***ए वोटिंग-बेस्ड सेन्सर फ़्यूजन अप्रोच फ़ॉर ह्यूमन प्रेज़ेन्स डिटेक्शन***

   - सोनिया शर्मा

सम्मेलन में प्लेनरी वार्ता देते हुए प्रो. सुदीप सरकार, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेन्ट फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न फ़्लोरिडा, यूएसए

तकनीकी सत्र 3

विषय - ब्रेन मशीन इन्टरएक्शन

सत्राध्यक्ष – प्रो. यू एस तिवारी, आईआईआईटी इलाहाबाद

इस सत्र में निम्नलिखित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए –

1. ***क्लासिफिकेशन ऑफ इंडियन क्लासिकल डान्स***

   - शुभांगी शर्मा

2. ***बीसीआई ऑग्मेन्टेड टेक्स्ट एन्ट्री मेकैनिज़्म फ़ॉर पीपुल विद स्पेशल नीड्स***

   - श्रीजा एस. आर.

3. ***इन्टेलिजेन्ट मूवी रेकमेन्डर सिस्टम यूजिंग मशीन लर्निंग***

   - नंदिनी सैनी

4. ***ए कम्पैरैटिव स्टडी ऑफ़ क्लासिफ़ायर पर्फ़ार्मेन्स ऑन स्पाटियल एंड टेम्पोरल फ़ीचर्स ऑफ़ हैंडरिटन बिहेवियरल डाटा***

- अभिषेक हज़ारा

5. ***एस्टिमेशन ऑफ़ मेन्टल फ़टीग ड्यूरिंग ईईजी-बेस्ड मोटर इमेजरी***

- उपासना तालुकदार

तकनीकी सत्र 4

विषय - इन्टरफेस एंड सिस्टम्स

सत्राध्यक्ष – प्रो. टी एस बी सुदर्शन, अमृता विश्वविद्यालय

इस सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों का विवरण निम्नवत है –

1. ***ए यूज़र स्टडी अबाउट सीक्योरिटी प्रैक्टिसेज़ ऑफ़ लेस-लिटरेट स्मार्टफोन यूज़र्स***

- सिल्वन लोबो

2. ***फ़ज़ी स्लाइडिंग मोड कंट्रोलर फ़ॉर डायनेमिक नॉन लिनियर सिस्टम्स***

- जयश्री वाजपेयी

3. ***एन्हान्सिंग यूसेबिलिटी इन्सपेक्शन थ्रू डाटा-माइनिंग टेक्नीक्स : एन ऑटोमेटेड अप्रोच फॉर डिटेक्टिंग यूसेबिलिटी प्रॉब्लम पैटर्न्स ऑफ़ अकैडेमिक वेब साइट्स***

- कल्पना सागर

4. ***पर्सनलाइज़्ड ई-लाइब्रेरी : ए रेकमेन्डर सिस्टम बेस्ड ऑन लर्नर्स फ़ीडबैक मॉडल***

- अल्का सिंघल

5. ***बिहेवियरल स्टडी ऑफ़ डीफ़ोकस क्यू प्रीज़र्विंग इमेज कम्प्रेशन एल्गॉरिद्म फॉर डेप्थ पर्सेप्शन***

- मीरा खन्ना

समापन समारोह/परिचर्चा सत्र

सम्मेलन के अंतिम एवं समापन सत्र के आरंभ में सम्मेलन के संयोजक ***डॉ. ए. एस. मंडल***, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी ने उपस्थित प्रतिभागियों व अन्य अतिथियों के समक्ष आयोजन का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा ***प्रो. सुखेन्दु दास***, आईआईटी मद्रास द्वारा शोधपत्रों की समीक्षा-प्रक्रिया की संक्षिप्त जानकारी दी गई।

सम्मेलन का विवरण प्रस्तुत करते हुए डॉ.ए. एस. मंडल तथा शोध पत्रों की समीक्षा प्रक्रिया की जानकारी देते हुए प्रो. सुखेन्दु दास

समापन सत्र में परिचर्चा का आयोजन भी किया गया जिसका विषय ***"ह्यूमन - मशीन इन्टरएक्शन इन एजुकेशन एंड रिसर्च : प्रेज़ेन्ट स्टैटस एंड फ्यूचर"*** था। इसके अतिरिक्त सम्मेलन के दौरान प्रकाश में आए एवं अन्य संगत विषयों पर भी चर्चा की गई और विद्वान विशेषज्ञों ने इन विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। परिचर्चा के पेनल सदस्यों में आईआईटी खड़गपुर के प्रो. अनुपम बासू, सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी, आईआईटी मद्रास के प्रो. सुखेन्दु दास तथा युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न फ्लोरिडा, यूएसए के प्रो. सुदीप सरकार सम्मिलित हुए। सत्र का संचालन आईआईआईटी इलाहाबाद के प्रो. यू.एस. तिवारी ने किया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों व उपस्थित छात्र-छात्राओं ने पेनल सदस्यों से प्रश्न पूछे तथा उन्होंने अपने ज्ञान व सुदीर्घ अनुभव से उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए
डॉ.ए.के. सरकार, प्रो. शांतनु चौधुरी एवं प्रो. यू एस तिवारी.

इस सत्र में प्रो. ए. के. सरकार, प्रो. शांतनु चौधुरी व प्रो. यू. एस तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना दी तथा उन्हें प्रतिभागिता-प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर

अंत में सम्मेलन के सह-संयोजक ***डॉ यशवर्धन शर्मा***, बिट्स पिलानी ने ***धन्यवाद ज्ञापित*** किया।